'' प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 18 नवम्बर, 2015 ''

1. आज दिनांक 18.11.2015 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सेल्वी हाल में राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि डॉ0 वी0एन0 त्रिपाठी, महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा, डॉ0 देवेश गुप्ता, उप महानिदेशक केंद्रिय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परीवार कल्याण विभाग, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि कांत जी के साथ ही साथ उ0प्र0 स्टेट टास्क फोर्स क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अध्यक्ष डा0 सूर्यकांत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।**

कार्यशाला में **डॉ0 वी0एन0 त्रिपाठी** ने अपने उद्‌बोधन में बताया की उ0 प्र0 के सभी मेडिकल कॉलेज पूरी तत्परता से क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे है। तथा इस कार्यक्रम हेतु उन्होने उ0प्र0 सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने की बात कही। **कार्यक्रम के अध्यक्ष के0जी0एम0यू0 के कुलपति प्रो0 रवि कांत** ने बताया की क्षय रोग कुपोषण, गरीबी, बढ़ती जनसंख्या, घनी बस्तियां, एचआईवी इत्यादि कारणों से ज्यादा बढ़ रहा है। समाज के समृद्ध लोग कहते है मुझे टीबी कैसे हो गया इसके लिए उन्होने टीबी की जांच पर जारे देते हुए कहा कि हमे अपने ड्राइवर तथा घर में कार्यरत कर्मचारियों की सघन जांच करानी चाहिए। प्रो0 रवि कांत ने यह भी बताया की देश की आर्थिक उन्नति के साथ ही क्षय रोग नियंत्रण हो सकेगा। उन्होने टीबी को एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम में विशेष बल देने तथा पूरे देश में एक समान्य पाठ्य क्रम होने की भी बात कही।

क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के नेशनल टास्क फोर्स के **अध्यक्ष डॉ0 दिगम्बर बहेरा** ने उ0प्र0 क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उ0प्र0 स्टेट टॉस्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ0 सूर्यकांत को बधाई देते हुए कहा की उ0प्र0 पीछले दो वर्षो में क्षय नियंत्रण कार्यक्रम को विशेष गति मिली है। इसके लिए उन्होने उ0प्र0 के समस्त 30 मेडिकल कॉलेजों, स्टेट टीबी आफिसर तथा समस्त टीम के प्रयासों की सराहना कि । उन्होने बताया देश के 20 प्रतिशत क्षय रोगीयों का उपचार देश के 400 मेडिकल कॉलेजो द्वारा किया जा रहा है तथ इस संदर्भ मे शोध कार्य भी किया जा रहा है। टीबी के शोध क्षेत्र मे किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का एक प्रमुख स्थान है।

आज के कार्यशाला के प्रथम दिन **भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में आए डॉ0 देवेश गुप्ता, उप महानिदेशक केंद्रिय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परीवार कल्याण विभाग** ने बताया कि वर्तमान राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम 90,000 एमडीआर टीबी रोगीयों का इलाज किया जा रहा है। तथ एमडीआर टीबी के निदान के लिए 2015-16 में पूरे देश मे 300 जीन एक्सपर्ट मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। **उ0प्र0 मे भी इस हेतु 20 मशीने उपलब्ध कराई जाएंगी। एक मशीन के0जी0एम0यू0 को भी प्राप्त होगी।** ज्ञांत रहे की जीन एक्सपर्ट मशीन से एमडीआर

टीबी की जांच दो घंटे के अंदर सम्भव है। अतः इस मशीन के उपलब्ध होन पर एमडीआर टीबी की जांच एवंम उपचार मे एक क्रांतीकारी बदलाव आयेगा।

इस कार्यशाला के **संयोजक तथा उ0प्र0 स्टेट टास्क फोर्स क्षय नियंत्रण के अध्यक्ष डॉ0 सूर्य कांत** ने बताया कि विगत पॉच वर्षो में टीबी रोग के कारण देश मे होने वाली मौते 4,00,000 प्रति वर्ष से घट कर 3,00,000 प्रति वर्ष रह गई है। डॉ0 सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दियाकी टीबी के रोकथाम हेतु एक समाजिक आंदोलन की जरूरत है जिसमे राजनेताओ, धर्मगुरूओ, स्वयंसेवी संस्थओं, फिल्मकारों, प्रमुख खिलाड़ीयों, तथा प्राइवेट सेक्टर की भी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। इस दिशा में भारत सरकार द्वारा सदी के महानायक फिल्म अभिनेता श्री, अमिताभ बच्चन को क्षय नियंत्रण कार्यक्रम का अम्बेसडर बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश के नार्थ जोन के आठ राज्यों जम्मू कश्मिर, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हरीयाणा, हिमांचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तरा खण्ड के 62 मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि इस कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे है। इस कार्यशाला में उल्लेखनिय रूप से अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान दिल्ली के पद्म श्री डॉ0 रनविर गुल्लेरीया, राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान बैंगलोर के डॉ0 विनित चढ्ढा, नार्थ जोन टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ0 एके भारद्वाज भी उल्लेखनिय रूप से प्रतिभाग कर रहे है। इस कार्यक्रम में उ0प्र0 नेशनल हेल्थ मिशन के डॉ0 एम0आरा0 गौतम तथा उ0प्र0 के राज्य क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ0 आलोक रंजन भी मौजूद थे।

2. किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के अंतर्गत दिनांक 17 नवम्बर, 2015 से 04 दिवसीय **faculty Development Program on Professionalism & Communication skills कार्यशाला का संचालन चिकित्सा विश्वविद्यालय के मेडिकल एजुकेशन विभाग की तरफ से किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत डा0 कैरिन ट्रोलोपे कुमार, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा एवं निदेशक,** Professionalism Competencies Program तथा प्रो0 प्रदीप कुमार, **मैकमास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा द्वारा किंग जार्ज चिकित्सा शिक्षकों को *Communication skills, Medical Ethics + Professionalism विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य के0जी0एम0यू0 के चिकित्सा शिक्षकों की अध्यापन क्षमता को और सुदृढ़ करना है जिससे वह चिकित्सा***

छात्रों कों यह सीखा सखें कि वह मरीजों के साथ प्रभावी एवं सरल तरीके से किस प्रकार संवाद कर सकें। जिससे मरीजों एवं चिकित्सकों के सम्बंध मधुर बन सकें।

3. प्रो0 रवि कांत जी, मा0 कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय में बायोथिक्स हेतु यूनेस्को नोडल सेन्टर की स्थापना की गई है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मेडिकल एजुकेशन विभाग की तरफ से दिनांक 23 से 26 नवम्बर-2015 के मध्य केजीएमयू परिसर में यूनेस्को 3टी बायोथिक्स प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त प्रशिक्षण में चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित संकाय सदस्य अपने-अपने विषयों में विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्तनात्तक चिकित्सा छात्रों को बायोथिक्स के बारे में शिक्षित करेंगे जिनमें से कुछ प्रशिक्षक भारत एवं एशिया क्षेत्र हेतु निपुण प्रशिक्षक के रूप में अर्हता प्राप्त करेंगें।

मीडिया प्रभारी

के0जी0एम0यू0